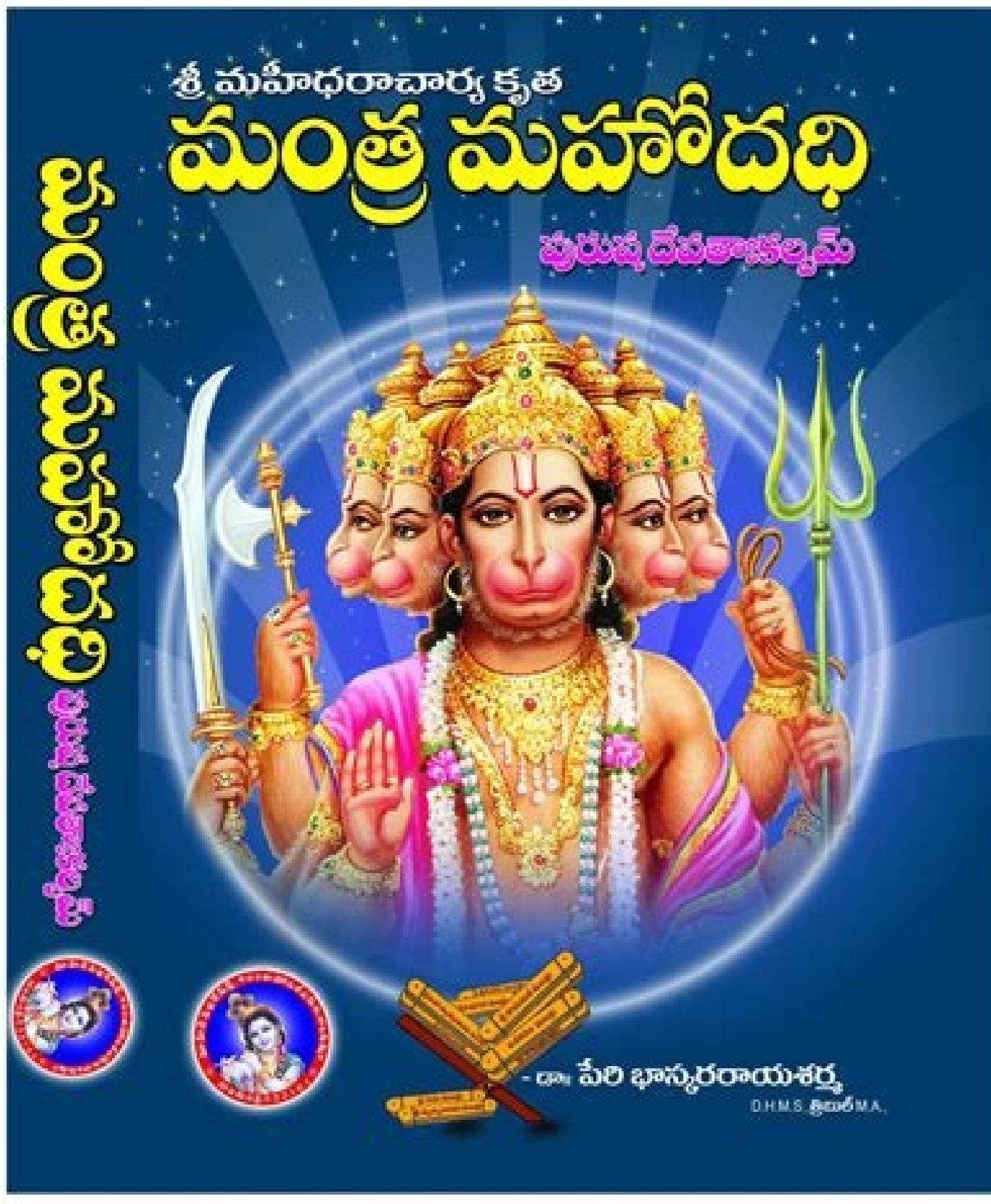


I'm not a robot!



मालारी वित्तान्धरा की साथा के बारे में पढ़ रहे हैं उन्हें खोजा विशेष
दे देता है -

मालारी वित्तान्धरा की उत्तमता में ज्ञान दीक्षा होती है। जब दीक्षा का अवृत्त
है तब से मालारी के विविध गंधों को गुरुमुख में प्राप्त करता। यह
ज्ञान इस प्रकार है -

मालारी गंध (कीर गंध), चटुडारी गंध, अचालारी गंध, उन्नीसलारी गंध
(भक्ति गंधर गंध), एवं गंध(गूल गंध)।

सर्वदेवम् गुरुदेव द्वारा एवारी गंध (कीर गंध) साक्ष को दिया जाता है
जिसका मात्र तरफ (1,25,000) जप साक्ष द्वारा दिया जाता है। इसके
पश्चात् ज्ञान में चटुडारी, अचालारी, उन्नीसलारी, चत्तीसलारी गंध साक्ष को
दो दिया जाता है। एवं इन्हें गंध का मत्र साक्ष तरफ (1,25,000) जप साक्ष
को करना होता है। इस प्रकार गंधों को जप की जगह यह साक्ष
गुरुदेव में चुनीचुनी दीक्षा जलाया जाता है।

यहाँ पर मैं मालारी वित्तान्धरा के उन्नीसलारी गंध का वर्णन कर रहा हूं
जिसे भक्ति गंधर गंध के बहुत ज्ञान है।

स्वर्ण गंधर गंध

गंध - जी ही है भगवती वगाने के विषय ऐहे-ऐहे स्वर्ण।

Shreem Hreem Aym(Aim) Bhagwati Bagle May Shriyan Dehi
Dehi Swaha

Bhava Mahadeva & A. M. V. Jagannathaswami A.
Bhagavatam, 1991, 1992
www.bhava.com, www.bhagavatam.org, www.jagannathaswami.org
www.bhagavatam.org, www.jagannathaswami.org

swarna akashhana bhairava mantra

Om a-ya ari swarna akashhana bhairava maha mantras-ya

Brahma rishishi (touch your head)

pankti chandaamst (touch nose tip)

swarna akashhana bhairava devatala (touch heart)

hrum bijam (right chest)

Hrim shaktiki (left chest)

hrum kikakom (chest center)

swarna sakshashama bhairava prashada siddhyante swarna akashhana
siddhyate jape vinyogha

kara nyasa

hrum angkubhitaspyam namah
hrim tarjanispyam namah
hrum matyomaspyam namah

సన్మార్పయతిస్యం దేహ మాపాదత లమస్తకః ,

తస్య మధ్య వస్త్రు తిఖా అటేయర్మా వ్యవ్సైతః: .

10

మనం తిన్న అన్నాన్ని ఆ అగ్నిసముచ్చిత భూగాలుగా విభజిస్తుంది. ఆ
అగ్నికిరణాలు ఆపాదమస్తకం వ్యాపించి వున్నాయి. ఈ న్యాసముచ్చ
యోగధ్యానాధులు చేసివారు మహాతేజోపంతులోతారు.

PHENOMENA RELATED TO THERM